वि.वि. अंतर्गत स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर द्वारा दो दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला आयोजित

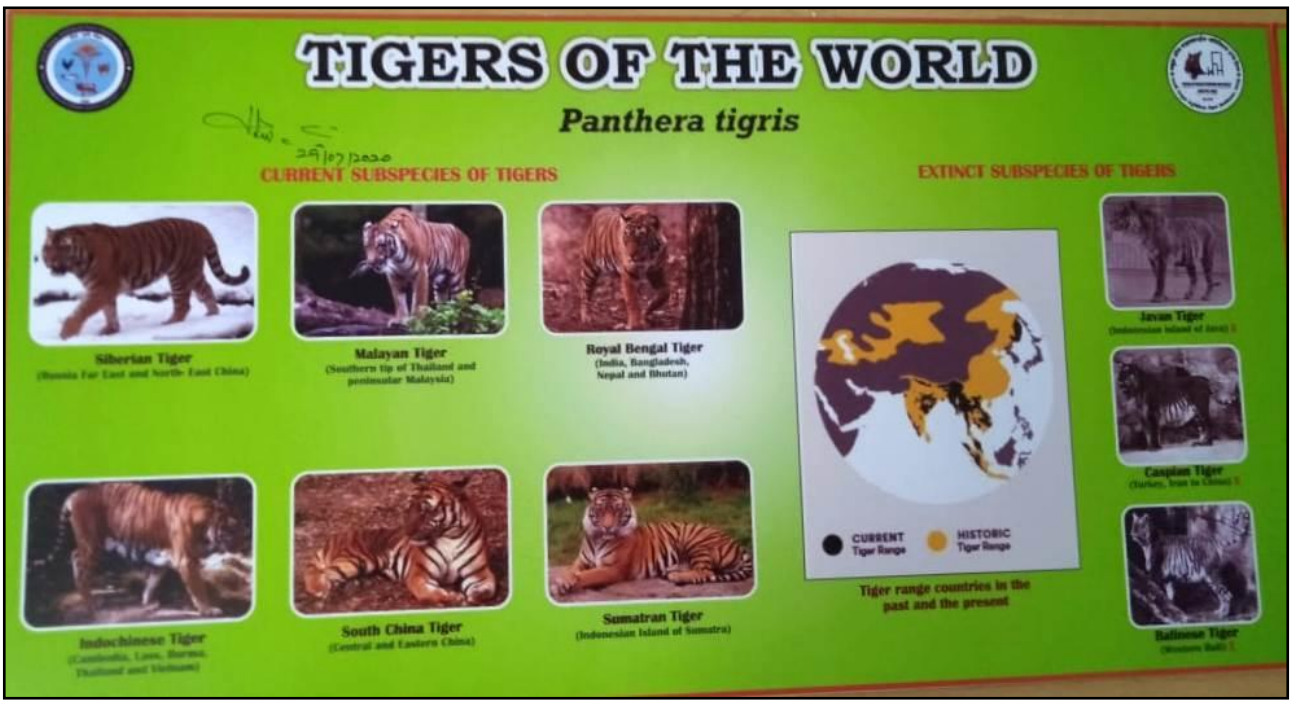

आज दिनांक 29.07.2020 को अंतर्राष्ट्रीय बाघ संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश के रेंजर, डिप्टी रेंजर स्तर के कर्मचारियों की दो दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला आयोजित की गई। जिसके आधार पर उन्हें स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में वन्य प्राणियों के जैविक नमूनों के संकलन, परिरक्षण और प्रेक्षण संबंधी जानकारी दी गई। जिससे कि वे विधिवत् जैविक नमूनों के संकलन में बिना किसी त्रुटि के समय से इस केंन्द्र में भेज सकें, ताकि उनकी जॉच के पश्चात् नैदानिक, उपचार तथा वन्यजीव

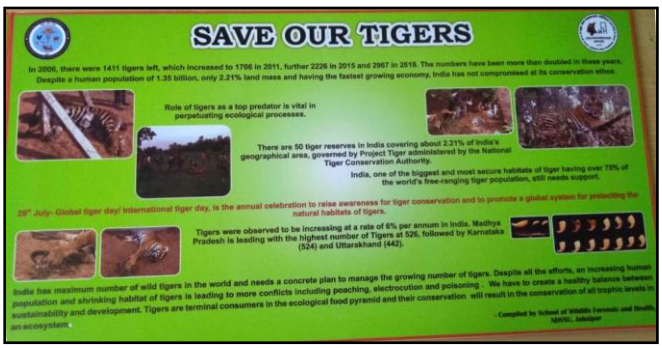

अपराध अन्वेषण संबंधी जानकारियां वन विभाग द्वारा संबंधित न्यायालय को दी जा सके। इस कार्यशाला से म.प्र. का वन अमला प्रशिक्षित होने से वन्यजीव संरक्षण को गति प्रदान की जा सकेगी। दो दिवसीय कार्यशाला में डॉ. मधु स्वामी के निर्देशन में इस कार्यशाला में डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. काजल जादव, डॉ. निधि राजपूत, डॉ. अमोल रोकड़े तथा डॉ. रंजीत हरने ने वन्यजीव फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जैविक नमूनों के संकलन, परिरक्षण और प्रेक्षण की तकनीकियों और अपने अनुभवों को वन विभाग के अमले को ऑन लाईन जानकारी प्रदान की।

इसी तारतम्य में अंतर्राष्ट्रीय बाघ संरक्षण दिवस के विषय पर एक पोस्टर जारी किया गया, जो कि मध्यप्रदेश, जिसे **"बाघों की धरती"** कहा जाता है, का लोकार्पण नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. एस.पी.तिवारी जी के करकमलों से संपन्न हुआ। प्रो. तिवारी जी ने वन्यजीव फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा किये जा रहे वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन पर किये जा रहे अनुसंधान कार्यो की प्रशंसा की ओर प्रदेश के वन्यजीव प्राणी संरक्षण को और समृद्ध बनाने हेतु वैज्ञानिकों से आहवाहन किया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालिका, डॉ. मधु स्वामी तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता, डॉ. आर.के. शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर